TITLE CODE : UPMUL00792

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

लोक पहल

शाहजहाँपुर, रविवार 28 मई 2023 | शाहजहाँपुर से प्रकाशित | वर्ष :2, अंक :14 पृष्ठ :8, मूल्य 2 रुपये

नये भारत के सृजन का आधार बनेगा नया संसद भवन: मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को समर्पित किया नया संसद भवन

नई दिल्ली एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे विधि–विधान से नवीन संसद भवन का उद्घाटन किया। नए भवन में लोकसभा में 888 और राज्यसभा में 384 सदस्यों के बैठने की व्यवस्था है। नई संसद को लेकर देश में राजनीति भी खूब हुई। लगभग पूरे विपक्ष ने नई संसद के उद्घाटन के मौके से किनारा कर लिया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में हम सभी 140 करोड़ का संकल्प ही इस संसद की प्राण प्रतिष्ठा है। यहां होने वाला हर निर्णय ही, आने वाले समय को संवारने वाला है। यहां होने वाला निर्णय समाज के हर वर्ग को सशक्त करेगा। संसद की हर दीवार, इसका कण–कण गरीब के कल्याण के लिए समर्पित है।श उन्होंने कहा कि श्हमें नेशन फर्स्ट की भावना से बढ़ना होगा। हमें कर्तव्य पथ को सर्वोपरि रखना होगा।हमें अपने नए रास्ते खुद बनाने होंगे। हमें खुद को खपाना होगा, तपाना होगा। हमें लोककल्याणको ही अपना जीवन मंत्र बनाना होगा। जब संसद के इस नए भवन में अपने दायित्वों का इमानदारी से निर्वहण करेंगे तब देशवासियों को भी इसकी प्रेरणा मिलेगी। पीएम मोदी ने कहा कि श्गांधीजी ने स्वराज के संकल्प से हर

भारतीय को जोड़ दिया था। इसका नतीजा हमने 1947 में भारत की आजादी के तौर पर देखा। आजादी का यह अमृतकाल भी भारत के इतिहास का ऐसा ही पड़ाव है। आज से 25 साल बाद भारत अपनी आजादी के 100 वर्ष पूरे करेगा इन 25 वर्षों में हमें भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है।प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में आजादी के 25 साल पहले भी ऐसा ही समय आया था। गांधीजी के असहयोग आंदोलन ने पूरे देश को एक विश्वास से भर दिया था। 'कोई भी एक्सपर्ट अगर पिछले नौ वर्षों का आकलन करे तो पाएगा कि यह नौ वर्ष गरीबों के कल्याण के लिए रहे हैं। हमने 30000 से ज्यादा पंचायत भवन भी बनाए हैं। यानी पंचायत भवन से लेकर संसद भवन तक हमारी निष्ठा एक ही है। हम सिर्फ एक ही प्रेरणा पर काम करते हैं देश का विकास, देश के लोगों का विकास।डेढ़–दो दशकों से चर्चा थी कि हमें नए संसद भवन की जरूरत है। हमें यह भी देखना था कि आने वाले समय में सीटों की संख्या बढ़ेगी, सांसदों की संख्या बढ़ेगी तो वे कहां बैठेंगे। इसलिए यह समय की जरूरत थी कि संसद के नए भवन का निर्माण किया जाए। 21वीं सदी का भारत अब गुलामी की सोच को पीछे छोड़ रहा है। आज भारत प्राचीन काल की उस कला के गौरवशाली गाथा को, अपनी ओर मोड़ रहा है और संसद की यह नई इमारत इस जीवंत प्रयास का प्रतीक बनी है। आज नए संसद भवन को देखकर हर भारतीय गौरव से भरा हुआ है। इस भवन में विरासत भी है, वास्तु भी है। इसमें कला भी है, कौशल भी है। इसमें संस्कृति भी है और संविधान के स्वर भी हैं। आप देख रहे हैं कि लोकसभा का आंतरिक हिस्सा राष्ट्रीय पक्षी मोर पर आधारित है। राज्यसभा का आंतरिक हिस्सा राष्ट्रीय फूल कमल पर आधारित है। और संसद के प्रांगण में हमारा राष्ट्रीय वृक्ष बरगद भी है। हमारे देश के अलग–अलग हिस्सों की जो विविधता है, इस नए भवन ने उन सबको समाहित किया है। संसद की इस नई इमारत में सेंगोल की स्थापना को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि महान चोल साम्राज्य में सेंगोल को कर्तव्य पथ का, सेवा पथ का, राष्ट्रपथ का प्रतीक माना जाता था। राजाजी और आदिनम के संतों के मार्गदर्शन में यही सेंगोल सत्ता के हस्तांतरण का प्रतीक बना था। जब भी इस संसद भवन में कार्यवाही शुरू होगी। यह सेंगोल हम सभी को प्रेरणा देता रहेगा। भारत एक लोकतांत्रिक राष्ट्र नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जननी भी है। मदर ऑफ डेमोक्रेसी भी

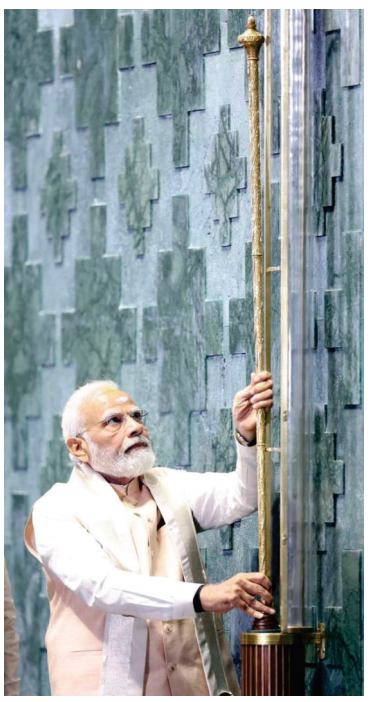

है। उद्घाटन के अवसर पर लोकसभाध्यक्ष ओम बिड़ला, केंद्रीय मंत्री, सांसद और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मिशन 24: योगी के मंत्री करेंगे दिल्ली कूच

- वरूण गाँधी, हेमा मालिनी, अरूण सागर सहित कई सांसदों के कट सकते हैं टिकट
- जितिन प्रसाद को लखीमपुर, हरिप्रकाश वर्मा पीलीभीत से लड़ सकते हैं लोकसभा चुनाव

सुयश सिन्हा

लखनऊ। नगर निकाय चुनाव में प्रदेश के सभी नगर निगमों में कब्जा जमाने के बाद भाजपा ने मिशन 2024 की तैयारियां शुरू कर दी हैं। पार्टी में जहां एक ओर मौजूदा सांसदों के कार्यकाल की समीक्षा की जा रही है वहीं कुछ वर्तमान सांसदों के टिकट काटे जाने पर भी विचार हो रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी एससी सीटों को जीतने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए पार्टी जहां एक ओर योगी सरकार के कुछ मंत्रियों को भी लोकसभा चुनाव में मैदान में उतार सकती है। पार्टी सूत्रों की मानें कांग्रेस की मनमोहन सरकार में केन्द्रीय मंत्री रहे जितिन प्रसाद भाजपा में शामिल हो गए। पार्टी ने उन्हें एमएलसी बनाने के साथ ही प्रदेश सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्रालय जैसा अहम मंत्रालय का मंत्री बनाया है। पार्टी सूत्रों की मानें तो अब जितिन प्रसाद को लखीमपुर या धौरहरा से लोकसभा का चुनाव लड़ा सकती है। इसी तरह मध्यम और लघु उद्योग मंत्री राकेश सचान को भी

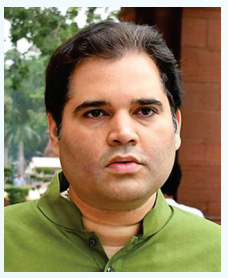

फतेहपुर से लोकसभा चुनाव लड़वाया जा सकता है। चर्चा है कि स्वतंत्र प्रभार के राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह को रायबरेली लोकसभा सीट से सोनिया गांधी के खिलाफ मैदान में उतारा जा सकता है। पार्टी सूत्रों का मानना है कि भाजपा सांसदों के कार्यकाल की समीक्षा कर कुछ मौजूदा सांसदों के टिकट काटकर नए चेहरों को मौका दे सकती है। वहीं पार्टी के नियमों के अनुसार 75 वर्ष की आयु पूरी करने वाले कुछ सांसदों के टिकट भी इस बार कटने की पूरी आशंका है इसमें बरेली के सांसद संतोष गंगवार, मथुरा की सांसद हेमा मालिनी, कानपुर के सांसद सत्यदेव पचौरी, देवरिया के सांसद रमापति राम त्रिपाठी व प्रयागराज की सांसद रीता बहुगुणा जोशी के टिकट काटे जाने की पार्टी में काफी जोर शोर से चर्चा चल रही है।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इन्दिरा गांधी के पौत्र व भाजपा सांसद वरूण गांधी पिछले काफी दिनों से पार्टी में सक्रिय नहीं दिखाई दे रहे हैं वहीं यदाकदा वह पाटी लाइन से इतर बयान देकर पार्टी को असमंजस की स्थिति में भी डाल रहे है। माना जा रहा है कि पार्टी वरूण गांधी का टिकट काट सकती है पीलीभीत में वैसे तो कई दावेदार हैं लेकिन कुर्मी बाहुल्य इस लोकसभा सीट पर शाहजहांपुर की जलालाबाद विधानसभा सीट से भाजपा विधायक हरिप्रकाश वर्मा भी प्रबल दावेदार हो सकते है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इस बार भाजपा लोकसभा चुनाव में कुछ और मंत्रियों को भी मैदान में उतार सकती है लेकिन अन्तिम निर्णय भाजपा का संसदीय बोर्ड ही करेगा। माना जा रहा है कि जहां कुछ मौजूदा सांसदों के टिकट काटे जा सकते है वहीं कुछ नए चेहरों को पार्टी मौका दे सकती है। इस बात के संकेत भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने मीडिया से बातचीत के दौरान दिए भी है। पार्टी सूत्रों की मानें तो शाहजहांपुर लोकसभा सीट पर भी फेरबदल हो सकता है। यहां पार्टी वर्तमान सांसद अरूण सागर का टिकट काटकर किसी और पर दांव लगा सकती है। वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा, देवरिया के विधायक शलभमणि त्रिपाठी, मथुरा से विधायक व पूर्वमंत्री श्रीकांत शर्मा, विधायक राजेश चौधरी व लखनऊ की सरोजनीनगर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह को भी लोकसभा चुनाव में भाजपा मैदान में उतारा जा सकता है। फिलहाल अभी टिकट को लेकर कोई स्पष्ट रूपरेखा पार्टी ने तय नहीं की है अन्तिम निर्णय भाजपा संसदीय बोर्ड ही करेगा लेकिन इस बार उप्र की सभी 80 लोकसभा सीटों पर विजयी हासिल करने के लिए पार्टी बड़ा फेरबदल कर सकती है।

शाहजहांपुर की पहली महापौर अर्चना वर्मा ने ली शपथ

जिम्मेदारी पर खरा उतरने का दिया भरोसा

लोक पहल

शाहजहांपुर। नगर निगम शाहजहांपुर की पहली नवनिर्वाचित महापौर अर्चना वर्मा ने खिरनीबाग स्थित रामलीला मैदान में एक समारोह के दौरान पद और गोपनीयता की शपथ ली। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने उन्हें शपथ दिलाई। इसके उपरांत महापौर अर्चना वम्र ने 60 पार्षदों को शपथ दिलाई। इस दौरान मुख्य अतिथि वित्त मंत्री सुरेश खन्ना के साथ ही पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद और सहकारिता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार जेपीएस राठौर भी मौजूद रहे।

नगर निगम और जिला प्रशासन की ओर से आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में सबसे पहले डीएम उमेश प्रताप सिंह सिंह ने महापौर अर्चना वर्मा को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद महापौर ने नगर निगम में चुनकर आये पार्षदों को शपथ दिलाई। अर्चना वर्मा को रोबिन परंपरा के तहत परंपरागत पोशाक सहायक नगर आयुक्त रश्मि भारती ने पहनाई और नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा ने चांदी का गदा भेंट किया। इस मौके पर वित्तमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि अब शहर का तेजी से विकास होगा। जल्द ही शहर में रोप–वे बनेंगे और ककरा न्यू सिटी में एग्जिबिशन हॉल बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी सिर्फ महापौर की नहीं होगी, शहर के लोगों को भी जागरूक होना होगा। लोक निर्माण विभाग मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि शहर को महानगर के रूप में विकसित करना है। इसमें सभी का सहयोग आवश्यक है। सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने कहा कि यह शाहजहांपुर के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। शहर की हर व्यवस्था पहले से बेहतर होगी।

महापौर अर्चना वर्मा ने कहा कि अपनी इस जीत के लिए जनता का कोटि–कोटि नमन करती हैं। जनता से किए गए वादों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगी। सबसे पहले शहर को स्वच्छ रखने के लिए कदम उठाए जाएंगे। शहरवासियों को गड्ढा मुक्त सड़कें मिलें, इसके लिए तुरंत प्रयास शुरू किए जाएंगे। डीएम उमेश प्रताप सिंह ने कहा कि नगर निगम की शहर के विकास में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जिला प्रशासन इसमें नगर निगम का सहयोग करेगा।

इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष केसी मिश्रा, महानगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता, महामंत्री नवनीत पाठक, राज्यसभा सदस्य मिथिलेश कुमार, पुवायां विधायक चेतराम, तिलहर विधायक सलोना कुशवाह, जलालाबाद विधायक हरिप्रकाश वर्मा, एमएलसी सुधीर गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र पाल सिंह यादव, निर्भय चंद्र सेठ, सुरेंद्रनाथ वाल्मीकि, डीपीएस राठौर, पुलिस अधीक्षक एस. आनंद, सीडीओ श्याम बहादुर सिंह, पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णाराज आदि मौजूद रहे।

थायरॉइड: जागरूकता से ही बचाव सम्भव

शाहजहांपुर। थायरॉइड जैसी महत्वपूर्ण ग्रंथि के कार्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लोगों को थायराइड की परेशानी के लक्षणों को पहचानने में मदद करने के लिए हर साल २५ मई को विश्व थायराइड दिवस मनाया जाता है। थायराइड, आपकी गर्दन के सामने स्थित एक छोटी तितली के आकार की ग्रंथि मेटाबोलिज्म, विकास, हृदय गति को नियंत्रित करने और कई कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालाँकि, इसका सुचारू कार्य बाधित हो जाता है तब ग्रंथि या तो अंडरएक्टिव (हाइपोथायरायडिज्म) या ओवरएक्टिव (हाइपरथायरायडिज्म) हो जाती है। अंडरएक्टिव थायरॉइड के अधिकांश मामले प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा थायरॉइड ग्रंथि पर हमला करने और इसे नुकसान पहुंचाने, या थायराइड कैंसर के उपचार के परिणामस्वरूप होने वाली क्षति के कारण होते हैं।

थायरॉइड हार्मोन का अधिक उत्पादन कुछ स्वास्थ्य स्थितियों जैसे ग्रेवस रोग, थायरॉइड नोड्यूल्स या फॉलिक्यूलर थायरॉयड कैंसर के कारण हो सकता है। शारीरिक गतिविधियों, तनाव प्रबंधन, आयोडीन वाला आहार, सेलेनियम और प्रोबायोटिक्स के माध्यम से थायराइड हार्मोन को बढ़ाकर स्वाभाविक रूप से थायराइड फंक्शन में सुधार किया जा सकता है।

डा. पूजा त्रिपाठी पांडेय

विश्व थायरॉइड दिवस पर विशेष

हाइपोथायरायडिज्म के लिए फायदेमंद 7 ड्रिंक

गोल्डन मिल्क

गोल्डन मिल्क उर्फ हल्दी दूध के कई स्वास्थ्य लाभ हैं और इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं। पेय बनाने के लिए बादाम का दूध या नियमित गाय का दूध इस्तेमाल किया जा सकता है। हल्दी में सक्रिय घटक करक्यूमिन होता है जो काली मिर्च में पिपेरिन की उपस्थिति में सबसे अच्छा अवशोषित होता है। लकडोंग हल्दी में करक्यूमिन की मात्रा सबसे अधिक होती है इसलिए इसका उपयोग अवश्य करें।

हरा जूस

पत्तेदार साग क्लोरोफिल से भरपूर होता है जिसमें हीलिंग गुण होते हैं। आप ताजा पालक, ऐमारैंथ, केल, धनिया पत्ती, पुदीना आदि जैसे अलग-अलग पत्ते चुन सकते हैं और या तो ककड़ी या सिर्फ नींबू का रस मिलाकर रस तैयार कर सकते हैं।

ऐपल साइडर

सेब का सिरका प्रति में क्षारीय होता है, बेहतर शुगर नियंत्रण में मदद करता है और लंबे समय तक पेट भरे होने का अहसास भी देता है। पानी के साथ 1 बड़ा चम्मच सेब का सिरका खाने के बाद रक्त शर्करा में तेजी से वृद्धि को नियंत्रित करने में मदद करेगा।

छाछ

छाछ प्रोबायोटिक्स का एक स्रोत है जो आंत के माइक्रोफ्लोरा को बेहतर बनाने में मदद करेगा। एक स्वस्थ और मजबूत आंत सूजन को कम करेगी जो हाइपोथायरायडिज्म का कारण है। सुनिश्चित करें कि आप अपने आहार में ताजा घर का बना छाछ शामिल करें।

हर्बल चाय

अश्वगंधा और शतावरी जैसी कुछ जड़ी-बूटियाँ बेहतर थायरॉइड कार्यप्रणाली के लिए जानी जाती हैं और इन्हें हर्बल चाय के रूप में डाला जा सकता है। इसी तरह एंटीऑक्सीडेंट गुणों के लिए ग्रीन टी एक अच्छा विकल्प होगा। इन्हें सामान्य चाय और कॉफी से बदलने की कोशिश करें या सुबह खाली पेट सबसे पहले इसे लेने पर विचार करें।

लाल जूस

चुकंदर और गाजर का संयोजन फाइटोन्यूट्रिएंट्स और लाइकोपीन का एक अच्छा स्रोत हो सकता है जो एक एंटीऑक्सीडेंट है। सुनिश्चित करें कि यह ताजा बनाया गया है और इसका फाइबर नहीं खोया है।

अखरोट का दूध

कई बार दूध सूजन का कारण बनता है। इसलिए, नियमित दूध की जगह अखरोट के दूध का सेवन करना एक समझदारी भरा विकल्प है। अखरोट के दूध का उपयोग कॉफी या चाय में किया जा सकता है और इसे नाश्ते के कटोरे या समूदी में भी मिलाया जा सकता है।

नगर आयुक्त ने मोबाइल आरआरआर सेंटर को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

लोक पहल

शाहजहांपुर। नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा ने 'मेरी लाइफ, मेरा स्वच्छ शहर' अभियान के तहत मोबाइल आरआरआर यूनिट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम द्वारा ऐसी ही कुछ और मोबाइल यूनिट के साथ साथ नगर के मुख्य स्थलों पर आरआरआर सेंटर के नाम से मिनी एमआरएफ बनाने का प्रस्ताव है। आरआरआर सेंटर में लोग अपने गैर जरूरी सामान जैसे पुराने जूते चप्पल, किताब, बोतल, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक सामान, बक्से, प्लास्टिक की वस्तुएं, खिलौने तथा अन्य कोई भी सामान जमा कर सकते हैं, और जरूरतमंद वहां से ले जा सकते हैं। जो सामान रीयूज के लायक नहीं होगा उसे रिसाइकल किया जाएगा। आरआरआर सेंटर का मुख्य उद्देश्य लोगों के मध्य ठोस अपशिष्ट के प्रति संवेदनशीलता जगाना एवं गैरजरूरी वस्तुओं को रिसाइकल करके पुनः प्रयोग के लायक बनाना है, नगर आयुक्त श्री शर्मा ने आम जनमानस के साथ विभिन्न संगठनों से इस पुनीत कार्य में वॉलंटियर बनने और सहयोग करने की अपील की है।

विभिन्न विधाओं में पारंगत हो रहे हैं श्री शंकर मुमुक्षु विद्यापीठ के बच्चे

क्रिएटिव स्किल डेवलपमेंट वीक का आयोजन

लोक पहल

शाहजहांपुर। श्री शंकर मुमुक्षु विद्यापीठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल में गर्मियों की छुट्टियों से पहले बच्चों की बौद्धिक क्षमता के साथ रचनात्मक कौशल को विकसित करने के लिए क्रिएटिव स्किल डेवलपमेंट वीक चल रहा है, जिसमें कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए योगा, फायर लेस कुकिंग, पॉटरी, क्राफ्ट, पेंटिंग, नृत्य, खेलकूद, कैलीग्राफी, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट आदि की कक्षाएं चलाकर बच्चों को उनकी रूचि के अनुसार विभिन्न विधाओं में पारंगत किया जा रहा है। साथ ही क्ले मॉडलिंग, फादर्स डे कार्ड मेकिंग, चॉक ट्विसटर मेकिंग, फोटो फ्रेम मेकिंग, सुलेख, अंत्याक्षरी आदि प्रतियोगिताएं भी कराई जा रही हैं। कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त कक्षाएं चलाई जा रही हैं। प्रधानाचार्या डॉ संध्या के निर्देशन में किरन मेहरोत्रा , मीनल सिंह, संगीता मेहरोत्रा, शोभित अग्रवाल अक्षत दिक्षित, अनिल सिंह, बबीता सक्सेना, ममता सिंह, प्रीति ,दीक्षा रचना, नैंसी, विभूति, सुविधा, पूजा, लीना, वैशाली, पलक आदि शिक्षक शिक्षिकाओं का योगदान रहा।

प्रभारी मंत्री ने किया निर्माणाधीन नगर निगम कार्यालय व हनुमत धाम का निरीक्षण

लोक पहल

शाहजहांपुर। जनपद के प्रभारी मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने न्यू सिटी ककरा में निर्माणाधीन नगर निगम कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यों को पूरी गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जाये। प्रभारी मंत्री ने स्पष्ट कहा कि नगर के विकास की योजनाओं के संचालन एवं अभिलेखों को व्यवस्थित किए जाने में नगर निगम कार्यालय अत्यंत महत्वपूर्ण है, अतः इसके निर्माण कार्य में कोई लापरवाही ना बरती जाए एवं कोई विलंब न किया जाये। उन्होंने सीएंडडीएस यूनिट 30 के प्रोजेक्ट मैनेजर एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि प्रोजेक्ट को अति शीघ्र पूर्ण किए जाने के संबंध में कार्य योजना तत्काल प्रस्तुत करें एवं कार्यों की समय से पूर्णता सुनिश्चित किए जाने हेतु पर्याप्त जनशक्ति भी लगाई जाय। इसके उपरांत प्रभारी मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने हनुमत धाम स्थित घाटों के सौंदर्यीकरण के कार्यों का भी स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति देखी। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी श्याम बहादुर सिंह, नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा, परियोजना निदेशक डी.आर.डी.ए. अवधेश राम, भाजपा जिलाध्यक्ष केसी मिश्र, महानगर अध्यक्ष अरुण कुमार गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कर्मयज्ञ संस्था ने किया भव्य भण्डारे का आयोजन

लोक पहल

शाहजहांपुर। सामाजिक सरोकारों से जुड़ी संस्था कर्मयज्ञ ने जेठ के तीसरे मंगलवार को रोड़वेज बस स्टैंड परिसर में धार्मिक आयोजन किया। भगवान हनुमान जी की प्रतिमा के समक्ष हनुमान चालीसा का पाठ कर आरती उतारी गई। बच्चों को केला, बिस्किट का वितरण किया गया।

इसके बाद शुरू हुआ भंडारा शाम तक चला। हजारों की संख्या में आए भक्तों ने पूड़ी, आलू–पनीर, कद्दू की सब्जी, हलवा व शीतल जल ग्रहण किया। गर्मी को देखते हुए परिसर में प्रसाद ग्रहण करने वालों के लिए कूलर व पंखों की व्यवस्था की गई थी। परिवहन निगम के एआरएम आरएस पांडेय एवं नगर निगम का विशेष सहयोग रहा।

भंडारे में डॉ संजय पाठक, डॉ केडी सिंह, केके सिंह, अभिषेक खण्डेलवाल, राजकुमार सक्सेना, विवेक तुली राजा, बलराम शर्मा, अमृत लाल, सुनील गुप्ता, विक्रांत सक्सेना, नेहा सक्सेना, विकास गुप्ता, दिवाकर मिश्रा, हरिओम गुप्ता, दलविंदर सिंह विर्क, अजय शेखर द्विवेदी, रजनीश गुप्ता, अनुपम सिंह, पंकज चड्ढा, अमित शर्मा, मनीष कपूर, संजय पाल, संजय श्रीवास्तव, प्रकाश गुप्ता, विवेक सहगल, गौरव अरोरा, चंद्र प्रकाश गुलाटी, नरेंद्र मिढ्ढा, मृदुल सक्सेना आदि का सहयोग रहा।

बाल भिक्षावृत्ति रोकने को चलाया गया जागरूकता अभियान

लोक पहल

शाहजहांपुर। सड़कों पर भिक्षावृत्ति कर जीवन यापन करने वाले बच्चों को चिन्हित कर पुनर्वासित कराए जाने के लिए जनपद में रेस्क्यू अभियान चलाया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी गौरव मिश्रा के निर्देशन में चलाए गए अभियान में पुवायॉ में विभिन्न स्थानों पर हॉट स्पॉट चिन्हित कर भिक्षावृत्ति करने वाले बच्चों की तलाश की गई। कई जगहों पर स्थित बाल भिक्षा वृत्ति में लिप्त बच्चों के चिन्हीकरण एवं पुनर्वास हेतु यात्रियों, दुकानदारों को जागरूक किया गया। बच्चे इस देश की धरोहर हैं और देश के भविष्य है इसलिए बच्चों की पढ़ाई, खेल, खानपान के प्रति संबंधित वयस्क को विशेष ध्यान देना चाहिए, भिक्षावृत्ती में लिप्त नहीं करना चाहिए क्योंकि भिक्षावृत्ती किसी भी समाज के लिए व बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अभिशाप है। इसी क्रम में व्यवसायियों से अपील की कि 18 वर्ष से कम उम्र के बालकों व किशोरों को भिक्षावृत्ति में लिप्त पाए या भीख मांगते हुए देखे तो तुरंत चाइल्डलाइन टोल फ्री नम्बर 1098 पर सूचित करे।

अभियान में बाल कल्याण समिति से सदस्य मुनीश सिंह परिहार, श्रम प्रवर्तन अधिकारी भूरेलाल, बाल संरक्षण अधिकारी निकेत कुमार सिंह, काउंसलर प्रतिभा मिश्रा, सामाजिक कार्यकर्ता पूनम गंगवार, सुप्रिया अवस्थी, एएचटीयू के हेड कांस्टेबल मुकेश गिरी, कांस्टेबल शैलेश, पूनम रानी, अंकित कुमार, सावन कुमार, चाइल्डलाइन कोऑर्डिनेटर अजय पाल व टीम मेंबर मृदुलता, अजय शुक्ला आदि शामिल रहे। अभियान में तीन बच्चों को चिन्हित कर बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

सबसे कम रेट पर
डिजिटल सिग्नेचर
बनवाएँ
सम्पर्क
9795100895

लोक पहल
साप्ताहिक समाचार पत्र

बन रहा है पाठकों की
पहली पसंद
सम्पर्क करें : 9935740205, 9455152599
Write to us : lokpahalspn@gmail.com

सम्पादकीय

खर्च के बोझ से दम तोड़ती चिकित्सा शिक्षा

एक ओर जहां देश में चिकित्सकों की भारी कमी है वहीं दूसरी ओर डाक्टरी की पढ़ाई का बढ़ता खर्चा देश में नए डाक्टर मिलने में एक बड़ी बाधा बन रहा है। चिकित्सक का पेशा संवेदनशील होता है। उसका जाति और धर्म से कोई लेना–देना नहीं होता। भारत में चिकित्सक के रूप में करिअर बनाने के उद्देश्य से हर वर्ष लाखों विद्यार्थी मेडिकल कालेजों में प्रवेश के लिए नीट परीक्षा देते हैं।

नीट 2023 की परीक्षा में आवेदकों की संख्या इक्कीस लाख से अधिक थी। यह पिछले वर्ष की तुलना में तीन लाख अधिक है। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि एमबीबीएस के लिए लगभग एक लाख सीटें सरकारी और निजी मेडिकल कालेजों में उपलब्ध हैं और वर्तमान में कालेजों की संख्या साढ़े छह सौ से अधिक है। इसके अलावा अन्य मेडिकल पढ़ाई मसलन, दंत चिकित्सा आदि की भी प्रवेश प्रक्रिया नीट के माध्यम से ही संचालित होती है।

गौरतलब है कि पूरे देश में महज बावन हजार सीटें सरकारी कोटे की हैं, जहां एमबीबीएस में सरकारी फीस ली जाती है। बाकी अड़तालीस हजार से अधिक सीटें निजी कालेजों के हाथों में हैं। जाहिर है, ऐसे कालेजों में विद्यार्थियों को भारी–भरकम शुल्क अदा करना होता है, जो कुछ कालेजों में तो पूरे साढ़े पांच साल की पढ़ाई में करोड़ रुपए से अधिक हो जाता है। उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधिक जनसंख्या वाला प्रदेश है, मगर मेडिकल कालेजों की संख्या में यह तीसरा प्रदेश है, कुल सड़सठ कालेजों में पैंतीस सरकारी हैं, बाकी सभी निजी हैं। सरकारी कालेजों में एमबीबीएस की सीटें बमुश्किल तैंतालीस सौ हैं।

इससे यह स्पष्ट है कि चिकित्सा सेवा में प्रवेश की इच्छा रखने वालों की तादाद कहीं अधिक है, जबकि प्रवेश की सीमा बहुत कम है। शायद यही कारण है कि हजारों विद्यार्थी अपने सपने को उड़ान देने के लिए दुनिया के दूसरे देशों में उड़ान भरते हैं। हालांकि इसके पीछे एक मूल कारण सस्ती फीस का होना भी है। दुनिया के कई ऐसे देश हैं, जहां तीस–पैंतीस लाख में पूरी पढ़ाई हो जाती है। नीट प्रवेश परीक्षा पास करना कुछ के लिए बेहद मुश्किल होता है और अगर इसमें अंक कम हों, तो प्रवेश शुल्क बहुत ज्यादा हो जाता है।

विडंबना यह है कि भारत में शिक्षा के प्रति व्यावसायिकता का चौतरफा प्रसार हो चुका है। चिकित्सा की पढ़ाई भी इससे वंचित नहीं है, कई मेधावी छात्र फीस के अभाव में चिकित्सा की पढ़ाई करने से वंचित हो जाते है। जो चिकित्सा की पढ़ाई रूस, किर्गिस्तान, कजाकिस्तान, जार्जिया, चीन, फिलिपीन्स, यहां तक कि यूक्रेन जैसे देशों में महज 30–35 लाख रुपए में संभव है, वहीं भारत में इतनी महंगी क्यों है।

देखा जाए तो कम चिकित्सक होने की वजह से भी भारत में चिकित्सा की पढ़ाई और चिकित्सा सेवाएं महंगी हैं। रोचक तथ्य यह भी है कि विदेशी मेडिकल कालेजों से अध्ययन कर चुके स्नातक चिकित्सक महज बीसद फीसद भारतीय चिकित्सा के मानक पर खरे उतर पाते हैं, चिकित्सकों की खेप लगातार तैयार करने से ही लोगों की चिकित्सा और सरकार की आयुष्मान भारत जैसी योजना को लक्ष्य तक पहुंचाया जा सकेगा। ऐसे में सरकारी के साथ निजी मेडिकल कालेजों में भी शुल्क का अनुपात कम रखना ही देश के हित में रहेगा।

सत्य पर चढ़ता सियासत का रंग

शिशिर शुक्ला
शाहजहांपुर

हाल ही में देश में एक बार पुनः सच्चाई को राजनीतिक जामा पहनाकर उस पर अपने–अपने स्वार्थ की रोटियां सेकने का प्रयास किया गया। सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित एवं विपुल शाह द्वारा निर्मित फिल्म 'द केरला स्टोरी' पूरे भारत में चर्चा के साथ–साथ राजनीति का विषय बनी रही। समर्थन एवं विरोध के सैलाबों के बीच फंसी इस फिल्म ने अंततः रिलीज होने में कामयाबी हासिल कर ली। जहां एक ओर उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में फिल्म को टैक्स फ्री किया गया और साथ ही साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री महोदय ने अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ फिल्म को देखा, तो वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल सरकार के द्वारा फिल्म को इस आशंका के आधार पर प्रतिबंधित कर दिया गया कि फिल्म के माध्यम से समाज में नफरत एवं हिंसा फैल सकती है तथा शांति व्यवस्था भंग हो सकती है।

दरअसल इस फिल्म के माध्यम से एक बहुत बड़े सत्य को उजागर करने का प्रयास किया गया है। छल, कपट, बल एवं भय का प्रयोग करके महिलाओं का जबरन धर्मांतरण एवं उनका इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया जैसे चरमपंथी संगठन में शामिल किया जाना निश्चित रूप से एक कड़वा एवं हृदय को विचलित कर देने वाला सच है। महिलाओं पर हुए इस घोर अत्याचार को समाज एवं राष्ट्र की आंखों के सामने लाने का प्रयास ही इस फिल्म के द्वारा किया गया है। गौरतलब है कि ऐसा ही एक प्रयास 2022 में विवेक अग्निहोत्री द्वारा निर्देशित फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' के माध्यम से किया गया था, जिसमें कश्मीरी हिंदू पंडितों के साथ हुई बर्बरता का वास्तविक चित्रण करके राष्ट्र के सामने प्रस्तुत किया गया था। ध्यातव्य है कि इस फिल्म को भी तमाम विवादों एवं विरोधों का सामना करना पड़ा था। कमाई के पैमाने पर फिल्म 'द केरला स्टोरी' की स्थिति साफ–साफ बताती है कि फिल्म को भारी मात्रा में जन समर्थन प्राप्त हुआ। ऐसा हो भी क्यों न, आखिरकार एक ऐसा सच जो किसी देश की अखंडता, एकता एवं राष्ट्रवाद पर चोट करता हो, यदि समाज के समक्ष लाया जाए तो पूरा समाज संभवतरू उसे एक ही भावना से देखेगा। मतांतरण करके महिलाओं को आतंकी गतिविधियों में संलिप्त होने के लिए सीरिया भेजा जाना निश्चित रूप से मानवता पर एक कड़ा प्रहार है। ऐसी परिस्थितियों में यदि कोई फिल्म समाज एवं राष्ट्र का ध्यानाकर्षण करते हुए उसे मानवता के विरुद्ध रचे जा रहे धार्मिक व सांप्रदायिक उन्माद से परिपूर्ण सुनियोजित षड्यंत्र से रूबरू कराती है, तो उसे हर हाल में संपूर्ण राष्ट्र का पुरजोर समर्थन प्राप्त होना ही चाहिए। बंगाल एवं तमिलनाडु जैसे राज्यों में फिल्म को प्रतिबंधित किया जाना कहीं न कहीं मानवता व राष्ट्रविरोधी मानसिकता को ही दर्शाता है। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट के द्वारा भी बंगाल में फिल्म पर लगे प्रतिबंध को लेकर प्रश्न उठाया गया। सुप्रीम कोर्ट के द्वारा फिल्म निर्माता की प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिका पर टिप्पणी करते हुए कहा गया कि फिल्म का अच्छा या बुरा होना दर्शकों के द्वारा ही तय किया जाना चाहिए। जब फिल्म पूरे देश में चल रही है तो बंगाल में प्रतिबंधित करने की क्या आवश्यकता है। जम्मू के गवर्नमेंट मेडिकल कालेज के छात्रावास में फिल्म देखने को लेकर विद्यार्थियों के दो गुटों के बीच बवाल हुआ जिसमें पांच छात्र घायल हो गए।

प्रश्न यह उठता है कि सिनेमा जोकि मनोरंजन के साथ–साथ ज्ञानवर्धन का भी एक माध्यम है, आज के समय में राजनीति की लपेट में क्यों आता जा रहा है। एक ऐसा कटु सत्य जिससे किसी भी हालत में मुंह नहीं मोड़ा जा सकता, सियासी विवादों एवं प्रपंचों के जंजाल में क्यों फंस जाता है। राष्ट्र एवं मानवता पर चोट करने वाली किसी घटना के प्रति सभी की एक ही भावना होनी चाहिए, फिर चाहे वह कोई व्यक्ति हो, समूह हो, धर्म हो, जाति हो अथवा कोई राजनीतिक संगठन हो। सत्य को सदैव समर्थन की लहर ही मिलनी चाहिए और उस लहर के आगे राजनीति की कोई कीमत नहीं होनी चाहिए। बहरहाल यहां पर एक और बात गंभीरतापूर्वक विचारणीय है कि राष्ट्रीयता एवं मानवता के साथ बर्बरता करने वाली इन घटनाओं से महज परिचित हो जाने से ही काम नहीं चलेगा। इस पर कठोरता के साथ लगाम लगाए जाने के विषय में भी कारगर रणनीति बनाकर ठोस कदम उठाए जाने की महती आवश्यकता है। किन्तु जब तक गंदी राजनीति इन सभी मुद्दों पर हावी रहेगी, तब तक इनके लिए कोई हल मिलने वाला नहीं है।

सोशल मीडिया और मोबाइल
बाहरी दुनियाँ में लिप्त बच्चे

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश

ऐसे तो सोशल मीडिया वरदान भी है और अभिशाप भी है और बच्चों में बढ़ रहा मानसिक विस्तार सोशल मीडिया की ही देन है बच्चे इसका प्रयोग कैसे करते हैं यह उनके ऊपर निर्भर करता है आजकल बच्चे अधिकतर मोबाइल में ऑनलाइन पढ़ाई करते हैं और क्या वह सच में पढ़ाई करते हैं? बच्चों के बीच परिवार का सामंजस्य बराबर नहीं बैठ पा रहा है सवेरे उठना मंजन करना चाय पीना फिर मोबाइल ले करके बैठ जाना घंटो मोबाइल के अंदर अपनी आंख लगाए रखते हैं जिसकी वजह से उनके स्वास्थ्य पर भी मोबाइल का असर होता है अपने परिवार से ज्यादा बच्चे मोबाइल को महत्व देने लगते हैं और उसमें जुड़ी हुई हर गतिविधियों पर अपनी नजर बनाए रखते हैं जहां उन्हें अच्छी चीजें भी देखने मिलती है और बुरी चीजें भी। युवा बच्चे अक्सर सोशल मीडिया की चपेट में होते हैं उनकी पढ़ाई लिखाई सब दूर हो रही है। एक घंटा पढ़ाई करते हैं फिर मोबाइल में घंटों बैठ कर गपशप करते हैं अपने दोस्तों के साथ, जिसका परिणाम रिजल्ट आने पर लगता है बंद कमरे में रहने वाले बच्चे अपने मोबाइल के साथ खुद को बंद कर लेते हैं फिर यदि परिवार का कोई सदस्य उन्हें किसी कार्य के लिए उठाता है तो यह बच्चे चिड़चिड़ा जाते हैं। बच्चों में बढ़ रही विद्रोह की भावना आने वाली पीढ़ी के लिए बेहद घातक है पहले जमाने में बच्चे अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करते थे अच्छा बुरा सब का ज्ञान लेते थे लेकिन आजकल तो केवल मोबाइल में ही अच्छा बुरा देखते रहते हैं, जिसमें से अच्छा कम बुरा देखने की ज्यादा प्रवृत्ति बच्चों में पाई जाती है जिसकी वजह से उनकी मानसिकता पर बुरा प्रभाव पड़ता है। जब परिवार का कोई व्यक्ति उन्हें हाथ में मोबाइल लेने से रोकता है तो उन्हें लगता है कि हमारी आजादी हम से

छीनी जा रही है एक पल भी अपने मोबाइल को अपने से दूर नहीं रखना चाहते हैं भले ही परिवार का कोई भी सदस्य उनसे दूर हो जाए। हमें इस तरह की बच्चे में बढ़ती विसंगतियों को रोकना पड़ेगा वरना परिणाम घातक हो सकते हैं। आजकल देखा गया है कि छोटे –छोटे 3 या 4 साल के बच्चों के हाथ में भी मोबाइल होता है जिसका प्रभाव उनका सीधे आंखो पर पड़ता है, समय से पहले बच्चों को चश्मा लग जाता है उनकी आंखें खराब हो जाती है सोचिए अगर यह बच्चे बड़े होंगे तब तक इनकी आंखें कितनी खराब हो जाएगी, मोबाइल से उठने वाली तरंगे भी बच्चों के हार्ड लिवर किडनी पर असर करती है।

बच्चों को इन सब परेशानियों से दूर रखने के लिए सबसे पहले बहुत ही छोटे छोटे बच्चों को मोबाइल उनके हाथों से ले ले, उन्हें खिलौना खेलने की आदत डालें और उनके पास बैठकर उन्हें अच्छा बुरा का ज्ञान दें, उनके साथ खेले, समय व्यतीत करें, अधिकतर परिवार में यह देखा गया है कि वह कार्य के चलते अपने बच्चों पर ध्यान नहीं देते हैं जिसका परिणाम यह होता है यह बच्चे एक कमरे में अपने को अकेला कर लेते हैं।

घंटों बैठकर कानों में ईयर फोन लगाकर यह बच्चे बातें करते हैं जिसकी वजह से इनकी श्रवण शक्ति कमजोर पड़ जाती है कानों में सख्त मैल जम जाता है जो कि बहुत ही हानिकारक है कभी–कभी यह मैल इतना ज्यादा बढ़ जाता है कानों में सफाई कराने के लिए डॉक्टर की आवश्यकता पड़ती है आजकल ईयर फोन का ज्यादा प्रयोग करने से बच्चों में बहरापन अभी देखा गया है, अपने बच्चों को इनसे बचाइए।

बच्चे कच्ची मिट्टी के समान होते हैं इनका मन कोमल होता है जिस तरह आप इन्हें रखेंगे यह उस प्रकार ढल जाएंगे तो इसकी शुरुआत इनके बचपन से कीजिए क्योंकि यह बड़े होने पर किसी की नहीं सुनेंगे समय रहते इन्हें मोबाइल से दूर रखें इनके साथ समय व्यतीत करें।

सत्य का मार्ग

मानव जीवन में सत्य का बहुत महत्व होता है क्योंकि सत्य ही वह माध्यम है, जिसके द्वारा हम किसी व्यक्ति पर विश्वास कर पाते हैं। सत्य ही वह कारण है जिसके द्वारा इस संसार में मानवता बची हुई है। सत्य सदैव अपरिवर्तनशील होता है जबकि झूठ परिस्थिति या समय के अनुसार बदलता रहता है। सत्य भले ही कड़वा हो सकता है, परंतु कभी भी गलत नहीं हो सकता जबकि झूठ मीठा तो बहुत हो सकता है परंतु कभी भी सही नहीं हो सकता। यही कारण है कि मानव समाज में सत्य का बहुत महत्व है और सदैव सत्य बोलने वाले व्यक्ति को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है।श्रीमद भागवत गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है – जब इंसान अपने सभी कर्म को ईश्वर को साक्षी मानकर करता है तो सत्य का जन्म होता है।

भारतीय संस्कृति में सत्य को अत्यंत ही महत्वपूर्ण बताया गया है और कथाओं में भी अनेक ऐसे उदाहरण मिलते हैं जिसमें व्यक्ति ने सत्य के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। राजा हरिश्चंद्र उन उदाहरणों में से एक हैं जिन्होंने सदैव सत्य का साथ दिया और समय आने पर सत्य के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। यही कारण है कि आज राजा हरिश्चंद्र के आगे सत्यवादी अवश्य लगाया जाता है और किसी भी व्यक्ति की ईमानदारी की तुलना राजा हरिश्चंद्र के साथ की जाती है।सत्य परेशान हो सकता है लेकिन पराजित नहीं। किसी व्यक्ति को जीवन में उन्नति करने के लिए सच्चा होना अत्यंत ही आवश्यक है क्योंकि सत्य का मार्ग सदैव व्यक्ति को उन्नति की ओर ही ले जाता है। सत्यवादी व्यक्ति को कभी भी किसी बात का भय नहीं होता है, वह सदैव निडर रहता है। वहीं दूसरी ओर झूठ का मार्ग अपनाने वाला व्यक्ति अपनी बर्बादी की ओर बढ़ता जाता है और उसे सदैव उसके द्वारा बोले गए झूठ के पकड़े जाने का भय होता है। हमारे धर्म ग्रंथों में सत्य के मार्ग को सबसे उत्तम मार्ग बताया गया है क्योंकि इस मार्ग पर चलने वाले व्यक्ति की जीत अवश्य होती है। वह व्यक्ति सदैव अपने परिजनों एवं समाज की दृष्टि में सम्माननीय होता है और प्रत्येक व्यक्ति उसके प्रति आदर का भाव रखता है। वह व्यक्ति जहां भी जाता है, सत्यवादी होने के कारण सम्मान पाता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को सत्य ही बोलना चाहिए और इसे अपने जीवन में धारण करना चाहिए। जब मन ,वचन, कर्म के माध्यम से सात्विकता जाहिर होती है तो उसे सत्य या सच्चाई कहा जाता है। सनातन संस्कृति में सच्चाई को भगवान की सबसे प्रिय वस्तु बताई गई है ऐसा कहा जाता है कि जो सत्यवादी होता है उसे भगवान सबसे अधिक प्रेम करते हैं।

सूर्यदीप कुशवाहा
वाराणसी उत्तर प्रदेश

गीत : क्रूरता के अट्टहास

मन घृणा से क्यों न भर जाए भला,
देखकर ये क्रूरता के अट्टाहास।

आ गई इतनी समझदारी कि अब,
लग रहे माता-पिता अनपढ़ गँवार।
जी रही अभिशप्त सी पीढ़ी नई,
हैं मिले इनको कहाँ से संस्कार।

कैरियर अपना बनाने के लिए,
कर रहे हैं जा विदेशों में प्रवास।

पुत्र-वधु ने कह दिया स्पष्ट यह,
है स्वसुर या सास से मतलब नहीं।
हो रसोई अलग कमरा भी अलग,
अन्यथा जाकर रहेंगे हम कहीं।

मायके जा भाइयों से कह रही वो,
हों नहीं माता-पिता अपने उदास।

ले लिए फर्जी वसीयत पत्र पर,
पार्थिव शव के अँगूठों के निशान।
भाइयों के आगमन से पूर्व यूँ,
लोभवश कर ही लिया इतना निदान।

फिर निधन की सूचना भेजी गई,
हो गया है मातुश्री का स्वर्गवास।

ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान'
शाहजहांपुर

व्यंगजल

सत्य पर भारी हुई!
खबर सरकारी हुई!!
खादी खाकी जा मिली,
लूट सहकारी हुई!
भइया जी मुस्काये हैं,
ये तो मक्कारी हुई!
खत्म राशन हो गया,
तब कहीं बारी हुई!
खद्दरों में आत्मा,
राम को प्यारी हुई!
ऐसा सच क्या कह दिया,
जो गुनहगारी हुई !
साधना है झूठ की,
या दुकानदारी हुई!
देश ज्वर से ग्रस्त है,
बुलेटिन जारी हुई!

दिनेश रस्तोगी
शाहजहांपुर

चाँद

आहिस्ता आहिस्ता जब चाँद बादलों से,
उड़ता हुआ मेरी खिड़की पर ठहर जाता है
तो ऐसा लगता है जैसे
तुम चाँद आँखों से, दिल की थाली में,
मुझे इश्क परोस रहे हो।
और मैं टक-टकी लगाए।
इसके स्वाद में घुल जाती हूँ
चाँदनी सी।

राजश्री सिन्हा
सोफिया (बुल्गारिया)

नाक और पूँछ

व्यंग्य

एक गांव था ठसकपुर। जहां एक पुराना किला था। उसमें एक अंधेरनुमा टेढ़ी मेढ़ी सड़क थी। उस रास्ते से पूँछ वाले और नाक वाले लोग ही आवागमन करते थे। इसकी जानकारी कुछ एक लोगों को ही पता था। एक बार एक मुसाफिर कंधे पर पुरानी गठरी लिए उस सड़क के रास्ते पर घुसने का भरसक प्रयास करने लगा। तभी पीछे से भारी भरकम आवाज आई। किधर को जा रहा? कड़क आवाज सुनते ही आदमी वहीं ठहर गया। पलट कर देखता तब तक लम्बी–लम्बी मूंछे पर हाथ फेरते हुए सामने सीना तान आ खड़ा हो गया।जो उस रास्ते की पहरेदारी कर रहा था। इशारे में भौंहें तान सवाल करने लगा।

यह देखकर वह मुसाफिर विनम्रता से कह उठा बहुत दूर से आ रहा हूँ सर छुपाने को जगह ढूंढ रहा था। रात भर रुकने के लिए यह जगह मुझे अच्छा लगा,सुबह होते ही निकल जाऊँगा। पहरेदार ने कहा अपना आई कार्ड दिखाओ। मुसाफिर कसमकश में फँसा रहा बोला पड़ा क्यों? किसलिए? पहरेदार ने कहा यहां से गुजरने वाले हर व्यक्ति का निरीक्षण किया जाता हैं,जिसके पास पूँछ और नाक होता वही गुजरता हैं। क्या तुम्हारे पास है यह सब? मुसाफिर मुस्कुराते हुए कहा,नाक तो हमारे पास हैं पर पूँछ कैसे हो सकता हम मनुष्यों में? ठीक हैं तुम नहीं जा सकते। उठाओ यह गठरी जाओ दूसरे रास्ते। प्रश्नों में उलझा मुसाफिर गठरी तो उठा लिया पर दूसरे रास्ते तय करने को तैयार नहीं। यह देख पहरेदार ने कहा का भैया चकरा गया दिमाग। साथ ही व्यंग्य भरी मुस्कान अपने होठो के तरकश से भेद दिया।

मुस्कान देख मुसाफिर की जिज्ञासा बढ़ने लगी नाक और पूँछ की जानकारी लेने के लिए वहीं पहरेदार के चरणों में आसीन हो गया। कहा साहब अब आप बता ही दो

रानी प्रियंका
बहादुरगढ़ हरियाणा

हमे नाक, पूँछ वाले व्यक्ति कैसे दिखते हैं? आप तो हर रोज मिलते होंगे ऐसे लोगों से। पहरेदार कह उठा अरे भैया क्या करोगे जानकर बस इतना समझ लो वह आम होते भी खास होते हैं। मुसाफिर की मंद बुद्धि काम करने के बजाए ब्लॉक होता जा रहा था। तेज आवाज में बोल उठा हमे बताओ यह पूँछ नाक का क्या खेल हैं। क्या यह जन्मजात होते हैं या फिर समय के साथ इनके अंदर नाक और पूँछ का नवनिर्माण होता हैं ऐसे लोग क्या करते हैं। प्रश्नों की बौछार कर मुसाफिर ने। पहरेदार भी समझ बैठा यह भला आदमी जो भी हो अपनी रात इसके साथ बतकही में तो कट ही जायेगी।

सुनो बताता हूँ। 'नाक मतलब इज्जत पूँछ मतलब पैसा'। चलो अंदर घुमा कर लाता हूँ। वह जो बड़ी बड़ी कुर्सियां दिखाई दे रही हैं। दरअसल यह वो लोग हैं जिनका कारोबार हैं लोगों को दिनदहाड़े सरेआम उल्टे सीधे कामों में फँसा कर लोगों से अपने खास लोगों को मोर्चा बनाकर अपना पॉकेट गर्म करके अपने पूँछ का देश विदेश के बैंकों में निर्यात करना। यह प्रतिदिन लाल पानी से रंगे हाथ को दूध से धोते हैं। दूध के समान उज्ज्वल अपने छवि रखते हैं।

दूसरे श्रेणी में वो लोग हैं, जिनके पास पूँछ कुछ भारी हैं। यह नाक रखने में विश्वास नहीं रखते ।यह अपना पूँछ उठाए कहीं भी चल पड़ते हैं । लोग इनके पूँछ के भार देखते ही रास्ता दे देते हैं। तीसरे श्रेणी में नाक वाले हैं, जिन्होने कुछ अच्छा कर्म आगामी चुनाव के लिए समाज में सेवा दिए हैं। जो आने वाले समय में खींचा तानी में ज्यादा रगड़े ना जा सके।

मुसाफिर बोल उठा और आप लोग कहां बैठते हैं? आप लोग आजकल आम लोग के साथ बैठ कर आम के गुठली गिनने का मजा लेते हैं। बाहर प्लास्टिक की लगी कुर्सियाँ पर इशारे बताते हुए पहरेदार कहा। यह ठसकपुर की किला हैं भैया। यहां अच्छे अच्छे लोग इस रास्ते के तरफ आंख उठा कर नहीं देखते।

अयोध्या प्रसाद
लखनऊ

मन रे ! .....काहे न धीर धरे....

निकाय चुनाव के परिणाम आने के साथ ही मन को बेचौन कर रही उहापोह वाली चिंताओं ने उसे मुक्त कर दिया था। शुभचिंतकगण अपना कर्तव्य निभाने के बाद साजोसामान के साथ अपने अपने धाम को प्रस्थान कर चुके थे। शोरगुल, भागमभाग, सभाओं में भागीदारी से निजात मिल गई थी। वरिष्ठों और मतदाताओं के हाथ जोड़ जोड़ कर अब आराम पाते ही हाथों में कंधे तक दर्द उभर आया था। छोटे, बड़ों के आशीर्वाद से विजय की पताका लहरा रही थी। इतना सब होने के बाद अब वे नए तरीके से बेचौन होने लगे थे। उनकी यह बेचौनी चेहरे पर तो नहीं दिख रही थी लेकिन अंदर ही अंदर उन्हें मथे जा रही थी। ..... पहली बार सभासदी का अवसर जो प्राप्त हुआ था ।

मन की उथल पुथल को शांति प्रदान करने के इरादे से वे भूतपूर्व सभासद से मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए उनके आवास पर पहुंच गए। उन्हें देखते ही भूतपूर्व सभासद के चेहरे पर छायी उदासी अचानक गायब हो गई। सोचा–जरूर आशीर्वाद लेने ही आया होगा। यही सोचकर उन्होंने अपने पांव चप्पल से बाहर निकाल लिए। वर्तमान सभासद ने मुस्कराते हुए हाथ जोड़कर, पांय लागूं कहकर घुटने स्पर्श किए और सामने पड़ी कुर्सी पर बैठ गए। बैठते ही मन की बेचौनी बखान करना शुरू कर दिया– जब से परिणाम आया है, बेचौनी बढ़ती चली जा रही है। क्या होगा, कैसे होगा, यही सोच सोच कर रात रात भर नींद नहीं आती है। आपके अनुभवों से ज्ञान प्राप्त करने की अभिलाषा से आया हूं। मार्गदर्शन कीजिए !

भूतपूर्व सभासद ने उन्हें ढांढस बंधाते हुए कहा– तुम एक वार्ड के सभासद होकर इतने बेचौन हुए जा रहे हो। लोगों से प्रेरणा लो ! देखो, वे तुमसे कई गुना बड़े अपने क्षेत्र को कैसे धैर्यपूर्वक संभाल रहे हैं । वर्तमान सभासद बोले– ऐसा ज्ञान दीजिए कि मैं वार्ड के लिए कुछ ऐसा आदर्श प्रस्तुत करूं कि आने वाले समय के लिए मार्ग प्रशस्त हो जाए। भूतपूर्व सभासद दांत पीस कर रह गए। बड़बड़ाए– ये नौसिखिया ज्ञान प्राप्त करने आया है या हमारे किए धरे पर पानी डालने और हमको चिढ़ाने आया है। पिछली बार की सभासदी में सबको खुश

करते करते ही सारा समय निकल गया लेकिन जनता को संतुष्ट नहीं कर पाए। इस बार तो उसने पटखनी ही दे दी। भूतपूर्व सभासद को मौन और गंभीर देखकर उसने फिर उन्हें कुरेदा तो उन्होंने बताया कि देखो, ये जनता है। इसके मन की थाह लेना असंभव है। तुम अपना कर्तव्य करो, बस ! विवेक और बहुत समझदारी से काम लेने की जरूरत होती है। फिर, समय तो सबसे बड़ा शिक्षक होता है। वह सब सिखाता रहता है। जैसे सब सीख जाते हैं, तुम भी सीख जाओगे। वर्तमान सभासद असमंजस में पड़ गए। उन्हें आभास हो गया कि वे जिस ज्ञान की खोज में यहां आए थे, भूतपूर्व उसे देने में आनाकानी कर रहे हैं । इसलिए वे बुझे मन से अपने घर वापस आ गए।

वे आंखे बंद कर बारामदे में पड़े तखत पर ध्यानावस्था में बैठ गए। कुछ देर बाद अंतर्रात्मा से आवाज आने लगी – रे मन ! तू इतना उतावला मत हो।....जैसे समस्याओं के निदान को लेकर तू चक्कर काटता रहा है, वैसा ही दूसरे लोग करेंगे।.....जैसे तू सभासद को खोजता फिरता था वैसे ही अब लोग तुझे खोजेंगे।.....जैसे बजबजाती नालियों, गलियों की खस्ताहाल सड़कों, मुचमुचाती स्ट्रीट लाइटों को लेकर तू परेशान और चिंतित हो जाया करता था, वैसी ही समस्याओं की पोटली लेकर लोग अब तेरे द्वार पर आया करेंगे। समस्याओं का स्वरूप वही रहता है। बस, उसके निवारण करने वाले लोग आते जाते रहते हैं।.....लेकिन तू जनता की सेवा के लिए बड़ी मशक्कत से यहां तक आया है तो जनता को गम्भीरता से लेना। उनकी समस्याओं को ध्यान से सुनना। यथासम्भव उनका समाधान करना।...वार्ड को सुंदर बनाने का जतन करना ! ... अभी से आगे की सोचना बंद कर ! बस, कर्तव्य निर्वहन कर ! आगे के मार्ग पर किसको चलना है, यह जनता तय करती है, इसलिए इस प्रश्न पर बिलावजह अपने को तंग मत कर ! रे मन ! बहुत बेचौन होने की आवश्यकता नहीं है। धीर धर !... समय सबसे बलवान होता है। ...वह सब सिखा देता है। अचानक अतर्रात्मा की आवाज बंद हो गई ।

उन्होंने आंखे खोलीं तो देखा कि वार्ड के लोग उनके ध्यानावस्था से वापसी का इंतजार करते हुए सामने पड़ी कुर्सियों पर बैठे हुए थे। वे उनका नागरिक अभिनन्दन करने के लिए उनकी सहमति प्राप्त करने आए थे।

गजल : कोई मुझसा नहीं

राशिद हुसैन 'राही'
शाहजहांपुर

कोई मुझसा नहीं इस दुनिया में अपना उसका।
वह के है जिस्म मेरा और मैं साया उसका।।
उसको हालात ने आइने दिखाये ऐसे।
मुनतशिर हो गया हर ख्वाब सुनहरा उसका।।
कोई तारा, कोई जुगनू, कोई मिशअल न सही।
तीरगी में नजर आता है सरापा उसका।।
चश्मे एहसास से ता देर लहू टपका है।
मेरी आंखों ने जो देखा है तमाशा उसका।।
मैं अना भूल गया उसकी अना की खातिर।
बात करने का मगर लहजा न बदला उसका।।
एक तारीक दोराहे पे मुझे छोड़ गया।
कुछ भी इजहारे मोहब्बत पे न कहना उसका।।
उसके आने का कुछ इमकां तो नहीं है 'राही'।
तक रहा हूँ मैं मगर शाम से रस्ता उसका।।

गीत

अच्छा हुआ कुबेर से परिचय नहीं हुआ,
अच्छा हुआ कि मेरा अपव्यय नहीं हुआ।
सोने का मृग मुझे भी लुभाता रहा मगर,
सोने के लिए मैं कभी निर्दय नहीं हुआ।

गुरु-दक्षिणा चुकाके मैं 'एकलव्य' हो गया,
गुरुवर का वध कराके 'धनंजय' नहीं हुआ।
मैं उसके साथ रहके भी एकाकी रह गया,
मुझसे अद्वैत-भाव का अभिनय नहीं हुआ।

धन के अभाव में कभी आया नहीं उछाह,
पर अंतरंग है कि रमामय नहीं हुआ।
जीवन तमाम हो रहा बन्दी बने हुए,
लेकिन अभी भी दोष मेरा तय नहीं हुआ।

राजेन्द्र वर्मा
लखनऊ

अवैध मदरसों पर जल्द चलेगा योगी का बुल्डोजर

■ विदेशी फंडिंग वाले चार हजार से अधिक मदरसों पर होगी कानूनी कार्रवाई

लोक पहल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश में मदरसों के नाम पर चल रही लूट और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए प्रदेश में अवैध रूप से चल रहे मदरसों पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। चार हजार से ज्यादा गैर मान्यता प्राप्त मदरसों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी है। इन मदरसों में विदेशी फंडिंग हो रही है। बताया जा रहा है कि मदरसा बोर्ड की परीक्षाएं समाप्त होने के बाद यह कार्रवाई की जा सकती है।

प्रदेश सरकार ने पिछले साल प्रदेश में गैर मान्यता प्राप्त मदरसों का सर्वे कराया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में इस बाबत बैठक हुई थी। 12 बिंदुओं पर कराए गए सर्वे में एक महत्वपूर्ण बिंदु यह भी था कि मदरसों की आय का स्रोत क्या है?

सर्वे में 8441 मदरसे ऐसे मिले थे जो अवैध रूप से चलत्ररहे थे। इनर्ि मान्यता नहीं ली गई थी। खास तौर से उप्र–नेपाल बॉर्डर के जिलों में तो इक्त तरह के मदरसों का जाल मिला था। सिद्धर्थनगर में 500 से ज्यादा, बलरामपुर में 400 से ज्यादा, लखीमपुर खीरी में 200, महराजगंज में 60, बहराइच तथा श्रावस्ती में 400 से ज्यादा मदरसे गैर मान्यता प्राप्त मिले थे।

हालांकि इनमें से अधिकतर मदरसा संचालकों ने यह बताया कि उनके मदरसे चंदे और जकात से चल रहे हैं पर इनमें चार हजार से ज्यादा मदरसों में विदेशी फंडिंग की बात सामने आई। दरअसल मदरसा संचालकों ने बताया कि उन्हें मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, दिल्ली, हैदराबाद सहित कई महानगरों से फंड मिलता है पर यह सामने आ रहा है कि इन शहरों के जरिए सऊदी अरब व अन्य देशों से भी यहां पैसा आता है। खास तौर से दुबई के काफी लोग यहां पैसा भेजते हैं। नेपाल व बांग्लादेश से भी पैसा आने की बात सामने आई है। इसे चंदा बताया जा रहा है। यह चंदा सरकार के रडार पर आ गया है। साथ ही मदरसा संचालक इस चंदे के सही दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं करा पाए हैं। हालांकि सरकार मानक पूरे करने वाले मदरसों को मान्यता देने की बात भी कह रही है पर सबसे पहले उन मदरसों पर कानूनी कार्रवाई होगी जो विदेशी फंडिंग से अवैध मदरसे चला रहे हैं।

भ्रष्टाचार पर नकेल: यूपी की ग्राम पंचायतों में होगा अब डिजिटल ट्रांजेक्शन

लोक पहल

लखनऊ। अब प्रदेश की पंचायतों में आये दिन भ्रष्टाचार की शिकायतें मिलती रहती है सरकार ने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए डिजिटल लेन देन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने योजना शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की 50 हजार ग्राम पंचायतों में डिजिटल ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने के लिए समर्थ अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त भारत और महिला सशक्तिकरण के मिशन को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक कार्यक्रम शुरू किए। जीरो बैलेंस पर बैंक में जनधन खाते खोले गए। अकेले यूपी में डीबीटी से 3.50 लाख करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन होता है। यूपी में 56 हजार ग्राम पंचायतों में बीसी

सखी चयन की प्रक्रिया शुरू हुई है। अब तक 5.57 करोड़ बार बैंक ट्रांजेक्शन किया गया है। लोगों को बैंक सुविधा देने में बीसी सखी की अहम भूमिका है। बीसी सखी मिनी बैंक के रूप में स्थापित हो गई हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यदि भ्रष्टाचार पर प्रहार करना है तो डिजिटल ट्रांजेक्शन की ओर जाना पड़ेगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, साध्वी निरंजन ज्योति और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए 29 राज्यों से बीसी सखी समर्थ में शामिल होने पहुंची हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि 2014 के बाद से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर फोकस किया जा रहा है। घर के कामकाज में व्यस्त रहने वाली महिलाएं अब बीसी सखी के रूप में बैंक को घर घर ले जा रही है।

आहार, विहार, व्याहार, विचार आदि में सन्तुलन होना बहुत आवश्यक : डा. वीएन त्रिपाठी

सीएसए परिसर में हार्टफुलनेस शिविर का आयोजन

लोक पहल

कानपुर। मनुष्य को कभी सरलता नही छोड़नी चाहिए। सदैव अपनी संस्कृति के जड़ से जुड़े रहना चाहिए। योग और ध्यान हमारे ऋषि–मुनियों की धरोहर है. ध्यान योग से शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक आयामो में सन्तुलन कायम रहता है। योग अभ्यास से मनुष्य का पूर्ण रूप से विकास होता है. वह सदैव स्वस्थ्य रहता है। सरलता और ध्यान–योग से ही ईश्वर को भी प्राप्त किया जा सकता है। उक्त विचार वरिष्ठ चिकित्सक एवं पूर्व डीजीएमई डॉ. वीएड्ड त्रिपाठी ने सीएसए परिसर में आयोजित शिविर में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन के चार उद्देश्य (धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष) हैं मोक्ष प्राप्त करने के लिए शरीर का स्वस्थ्य होना सबसे महत्वपूर्ण। स्वास्थ्य शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक कल्याण की स्थिति है। स्वस्थ्य जीवन शैली के लिए–आहार, विहार, व्याहार, विचार आदि में सन्तुलन होना बहुत आवश्यक है।

रिटायर्ड निदेशक उर्सला हॉस्पिटल एवं वरिष्ठ सर्जन डॉ. यूसी सिन्हा ने कहा, योग आपस मे जुड़ाव उत्पन्नत्रकरता है आत्मा परर्िात्मा से, शरीर प्रकृति से और प्रकृति फिर मनुष्य आपस मे जोडक्कर रख्ह्नी है. हमें शारीरिक साफ–सफाई का ध्यान रख्ह्ना चाहिए।

योगाचार्य वीएन निगम ने बताया कि विकार आध्यात्मिक उन्नत में रुकावट पैदा करते हैं। परंतु, शरीर मे विकार होना तो स्वाभाविक है योग और ध्यान के निरंतर अभ्यास से विकारों को हटाकर हम सक्रिय रूप से उन्नतिशील हो सकते हैं। योगाचार्य एवं प्रशिक्षक ऋषि प्रकाश ने शरीर को स्वस्थ्य रखने के लिए सूक्ष्म योगा का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षक अजीत कुमार पांडिया ने सरल व्यायाम से मस्तिष्क की सक्रियता और याददाश्त को अच्छा रखने के टिप्स दिए। इस अवसर पर विमलेश शंकर अवस्थी, बृजेश शर्मा, एनके चतुर्वेदी, रविश श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

अब गांवो में भी बिना नक्शा के नहीं बनवा सकेंगे मकान व दुकान

लोक पहल

लखनऊ। अब गांवो में भी मकान बनाना आसान नहीं रह गया है। जब जिसका जहां मन हुआ वहीं मकान या दुकान बना लेकर सख्ती की योजना बनाई गई है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में यदि कोई स्कूल, कालेज, अस्पताल या व्यावसायिक प्रतिष्ठान बनवा रहा है तो उसे जिला पंचायत से नक्शा पास करना होगा।

ली लेकिन अब शहर की तरह ही ग्रामीण इलाकों में भी आवासीय एवं व्यवसायिक भवन के निर्माण कराने के लिए नक्शा पास कराना होगा। यह नियम आवासीय मकान के लिए 300 वर्ग मीटर और सभी तरह के व्यावसायिक निर्माण पर लागू किया गया है। यह नक्शा जिला पंचायत से पास होगा। बगैर नक्शा पास कराए अगर भवन निर्माण होता है उसे जिला पंचायत के द्वारा रोक कर विधिक कार्रवाई की जा सकती है।

उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत अधिनियम 1994 की धारा 239 के अंतर्गत यह नियम लागू है। अब इसे बगैर नक्शा पास कराए कोई बैंक लोन नहीं देगा। नक्शा भी जो प्रस्तुत किया जाएगा, वह पंजीकृत आर्किटेक्ट, वास्तुविद या योग्य अभियंता के द्वारा बना होना चाहिए। इसके अलावा यदि किसी ने बिना नक्शा पास कराए कोई निर्माण कराया तो वह अवैध हो जाएगा। उस भवन पर जिला पंचायत कार्रवाई कर सकती है। जरूरत पड़ने पर ध्वस्त कर सकती है। वहीं, प्रशासन की तरफ से भी यह कहा गया है कि यदि बिना नक्शा पास कराए विद्यालय का निर्माण करा दिया तो उसको मान्यता नहीं मिलेगी।

अब स्कूलों में विद्यार्थियों का नहीं बहेगा पसीना

हर विद्यालय में लगवाया जायेगा सोलर पैनल

लोक पहल

लखनऊ। उप्र के माध्यमिक स्कूलों में भीषण गर्मी में विद्यार्थियों को अब पसीने से तर बतर नहीं होना पड़ेगा। सरकार ने प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में सोलर पैनल लगाने की योजना बनाई है। समग्र शिक्षा माध्यमिक के तहत विभाग स्कूलों में सोलर पैनल लगवा रहा है। हर विद्यालय में पांच केवीए का एक प्लांट लगाया जाएगा। वहीं राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में केमेस्ट्री और बायोलॉजी की लैब भी बन रही है। ऐसे में जब नए सत्र 2023–24 में स्कूल शुरू होंगे तो विद्यार्थियों को बेहतर सुविधा मिलेगी।

प्रदेश में नौवीं से 12वीं तक के 2359 राजकीय स्कूल हैं। पहले चरण में 1060 विद्यालयों में सोलर पैनल लगाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। अब तक 638 विद्यालयों में पैनल लग गए हैं और 420 में लगने हैं। नेडा के माध्यम से इन विद्यालयों में पांच केवीए का प्लांट लगवाया जा रहा है। नए सत्र तक इन विद्यालयों में यह प्रक्रिया पूरी करने का लक्ष्य है। इससे स्कूल बिजली के मामले में आत्मनिर्भर भी होंगे।

दूसरी तरफ विद्यालय के बच्चों को प्रैक्टिकल की बेहतर सुविधा देने के लिए भी काम चल रहा है। अब तक 125 विद्यालयों में केमेस्ट्री और बायो की लैब बन गई हैं। जबकि कुल 217 में इनका निर्माण होना है। ताकि नए सत्र में इनका प्रयोग शुरू हो सके।

नई पहल : निकायों में पहली बार अधिकारियों को मिली मनपसंद तैनाती

लोक पहल

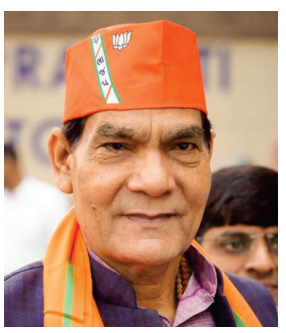

लखनऊ। उप्र सरकार ने नगर निकाय में अधिकारियों की तैनाती के लिए एक नई पहल की शुरूआत की है। सरकार ने अधिकारियों से उनकी मनपसंद जगह का चुनाव करने को कहा और उसी के अनुसार उनकी तैनाती की गई। हाल में ही नवचयनित 97 निकाय अधिकारियों से विकल्प लेकर उन्हें तैनात किया गया है। इन अधिकारियों को तैनाती देने से पहले 45 दिन का आधारभूत प्रशिक्षण भी दिया गया। अब तक प्रशिक्षण देने की व्यवस्था नहीं थी। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी नवनियुक्त अधिकारियों को नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने तैनाती पत्र दिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि निकाय अधिकारियों पर शहरों की रैकिंग में सुधार लाना बड़ी जिम्मेदारी है। इसलिए सभी अधिकारी इसके लिए पूरी लगन से प्रयास करें।

स्थानीय निकाय निदेशालय में आयोजित कार्यक्रम में नगर विकास मंत्री ने नव नियुक्त 24 महिला अधिकारी और 73 पुरुष अधिकारियों को तैनाती पत्र दिया। इनमें 5 सहायक नगर आयुक्त, 81 अधिशासी अधिकारी, 9 राजस्व निरीक्षक और 2 सहायक अभियंता (ट्रैफिक) शामिल हैं। उन्होंने नव नियुक्त अधिकारियों को निकायों में कार्यभार संभालने के बाद अपने–अपने कार्यों से शहरों को श्रेष्ठ बनाने की अपील भी की।

श्री शंकर मुमुक्षु विद्यापीठ में 'क्रिएटिव स्किल डेवलपमेंट वीक' का समापन

प्रधानाचार्य डा. संध्या ने किया प्रदर्शिनी का अवलोकन

लोक पहल

शाहजहांपुर। श्री शंकर मुमुक्षु विद्यापीठ में चल रहे सात दिवसीय 'क्रिएटिव स्किल डेवलपमेंट वीक' का समापन समारोह आयोजित किया गया। जिसका मुख्य आकर्षण कक्षा 9 व 10 के विद्यार्थियों द्वारा आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी रही। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्या डॉ संध्या ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके उपरान्त उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। विज्ञान प्रदर्शनी में छात्र–छात्राओं ने अर्थक्वेक डिटेकटर, सर्कुलेटरी सिस्टम, वाटर प्यूरीफायर, हाइड्रो इलेक्ट्रिक जनरेटर, एसिड रेन, टेस्ला कॉइल, अल्ट्रासोनिक गेट ओपनर, ड्रिप इरिगेशन सिस्टम, लाई–फाई, रेन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, ऑटोमेटिक स्ट्रीट लाइट, वाटर ओवरफ्लो अलार्म आदि अनेक मॉडलों के माध्यम से अपनी वैज्ञानिक क्षमता का प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त इंडोर गेम्स जैसे शतरंज, लूडो, कैरम, टेबल टेनिस, आउटडोर गेम्स जैसे क्रिकेट, वॉलीबॉल, फुटबॉल आदि की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। साथ ही कुकिंग विदाउट फायर, आर्ट एंड क्राफ्ट, योगा, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, पेंटिंग,क्विज, नृत्य, अंत्याक्षरी, फन गेम्स आदि में सभी बच्चो ने प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

समापन समारोह के आयोजन में डॉ अर्चना श्रीवास्तव, दिवाकर शर्मा, रमेश रस्तोगी, सौरभ अग्निहोत्री, हर्षलता, अक्षत दीक्षित, अनिल सिंह, शोभित अग्रवाल, मो शकील, किरन मेहरोत्रा, शिल्पी सक्सेना, ममता सिंह, चंजलि, मीनल, त्तंगीता मेहरोत्रा सहित समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं का योगदान रहा।

एसएस कालेज में पर्यावरण के लिए जीवन शैली कार्यक्रम का आयोजन

लोक पहल

शाहजहांपुर। आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भारत सरकार की पहल पर पूरे देश में चलाए जा रहे वृहत अभियान 'पर्यावरण के लिए जीवन शैली', लाईफ के अन्तर्गत 25 यूपी बटालियन एनसीसी की ओर से स्वामी शुकदेवानंद महाविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सूबेदार मेजर कमल सिंह राना ने कहा कि लाईफ अभियान का यह विचार, भारत के प्रधानमंत्री ने 2021 में ग्लासगो में हुए संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के दौरान पेश किया था, जिसमे पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवन शैली को बढ़ावा देने और 'बिना सोचे–समझे संसाधन खर्च करने व फिजूलखर्ची' करने के बजाय, 'सावधानीपूर्वक व उचित उपयोग' पर ध्यान केन्द्रित करने के उपायों के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करने पर बल दिया गया है। लेफ्टीनेंट डॉ आलोक कुमार सिंह ने कहा कि हम एक तिहरे ग्रह संकट से जूझ रहे हैं जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता हानि, और प्रदूषण व अपशिष्ट। ये संकट दशकों के अन्धाधुन्ध एवं असतत उपभोग व उत्पादन का परिणाम हैं। सूबेदार बूटा सिंह ने पर्यावरण के लिए जीवन शैली की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर ट्रेनिंग जेसीओ महेन्द्र सिंह, नायब सूबेदार लाखन सीनियर अंडर आफिसर अनमोल, अंडर आफिसर आकांक्षा मिश्रा, अंडर आफिसर अंशुमान सिंह, कैडेट श्वेता, प्राची, विवेक, सुमित सहित 30 कैडेट उपस्थित रहे।

जिला सैनिक बंधु की बैठक संपन्न, डीएम ने लम्बित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण के निर्देश

शाहजहाँपुर। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सैनिक बन्धु की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अवकाश प्राप्त सैनिको/स्व. सैनिक की पत्नी–आश्रितों की समस्याओं का संबंधित अधिकारी तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा करते हुए निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी श्याम बहादुर सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय कुमार पांडे, नगर मजिस्ट्रेट डा. वेद प्रकाश मिश्र सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जीवन में सफलता हासिल करने के लिए श्रेष्ठ शिक्षा जरुरी: डा. ए. के. मिश्रा

एसएस कालेज में सहायक सामग्री निर्माण कार्यशाला का समापन

लोक पहल

शाहजहांपुर। श्रेष्ठ शिक्षा हम सभी के लिए जीवन में आगे बढ़ने और सफलता प्राप्त करने के लिए अत्यन्त आवश्यक हैं। विद्यालयी शिक्षा हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।एक बेहतर शिक्षा के लिए बेहतर शिक्षक का होना आवश्यक है। बेहतर शिक्षक बनने के लिए शिक्षक प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षण सहायक सामग्री की सहायता से एक अध्यापक अपनी बात को आसानी से अन्तिम छात्र तक पहुँचा सकता है। यह विचार कॉलेज की प्रबन्ध समिति के सचिव डॉ0 अवनीश कुमार मिश्रा ने शिक्षक शिक्षा विभाग के बीएड प्रशिक्षुओं द्वारा लगाई गई शिक्षण सहायक सामग्री प्रदर्शनी के अवलोकन के समय व्यक्त किये। विभागाध्यक्ष प्रो० (डॉ0) मीना शर्मा ने प्रदर्शनी के अवलोकन के समय बीएड प्रशिक्षुओं द्वारा बनायी गई शिक्षण सहायक सामग्री की सराहना करते हुए कहा कि एक कुशल अध्यापक के लिए सहायक सामग्री एक संजीवनी के समान है। एक अध्यापक की समाज के प्रति महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वरिष्ठ प्रो. डॉ.प्रभात शुक्ला ने कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए आशा व्यक्त की कि इस कार्यशाला के माध्यम से प्रशिक्षुओं में शिक्षण सहायक सामग्री निर्माण करने की कुशलता अवश्य विकसित हुई होगी।कार्यशाला में प्रमुख रूप से डॉ0 के.के. मिश्रा, डॉ.विनीत श्रीवास्तव, डॉ.मनोज कुमार मिश्रा, राहुल शुक्ला, रेनू बहुखण्डी, संजय कुमार, अखिलेश तिवारी, रोहित सिंह,राजीव यादव,अमित गुप्ता, प्रिया शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

मुखौटा बनाने की कला में पारंगत हो रहे हैं बच्चे

सृजन मुखौटा निर्माण कार्यशाला का शुभारंभ

लोक पहल

शाहजहांपुर। लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान एवं गगनिका सांस्कृतिक समिति शाहजहांपुर के सहयोग से ग्राम अकर्रा रसूलपुर में निशुल्क सात दिवसीय 'सृजन मुखौटा निर्माण कार्यशाला' का कैंट उपाध्यक्ष अवधेश दीक्षित ,ब्लाक प्रमुख राजाराम वर्मा व पार्षद अनूप कुमार गुप्ता ने फीता काटकर किया।

ग्राम प्रधान गीता देवी पति मदन पाल वर्मा प्रधान हरिओम वर्मा, रामकृष्ण वर्मा, बृजपाल व डॉ. संदीप ने मुख्य अतिथियों का बैच लगाकर स्वागत किया। बालकलाकार धृति ने सभी अतिथियों को रोली चंदन लगाया कप्तान सिंह 'कर्णधार' के निर्देशन में हो रही इस सृजन मुखौटा निर्माण कार्यशाला में बच्चों ने बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया स प्रधानाचार्य प्रेम गंगवार ने ज्यादा से ज्यादा बच्चों को इस कार्यशाला में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया स मुखौटा कार्यशाला सहायक सलोचना कार्की ने बच्चों को कई तरीके का मुखौटा निर्माण कराएं सनिर्देशक कप्तान ने बताया कि मुखौटा एक सबसे अधिक प्रयोग नाट्य परंपरा में देखने को मिलता है रंगमंच या प्रदर्शनकारी कलाओं के शुरुआत से ही मुखौटा उपयोग के उल्लेख मिलते रहे हैंस निदेशक लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान अतुल द्विवेदी ने बच्चों को इस कार्यशाला के लिए शुभकामनाएं दी।

'योगं शरणं गच्छामि' का आयोजन

महापौर अर्चना वर्मा का किया गया अभिनन्दन

लोक पहल

शाहजहांपुर। योग विज्ञान संस्थान की ओर से श्योगं शरणं गच्छामिश का आयोजन किया गया जिसमें 100 से अधिक लोगों ने प्रतिभाग कर योगासनों का अभ्यास किया। इस मौके पर शाहजहांपुर की नवनिर्वाचित महापौर अर्चना वर्मा का सम्मान भी किया गया। सीतापुर नेत्र चिकित्सालय प्रांगण में हुए समारोह का शुभारंभ महापौर अर्चना वर्मा ने माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया। समारोह को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 'योग विज्ञान संस्थान का बहुत सराहनीय कार्य है स्वस्थ रहने के लिए योग हर व्यक्ति की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि मैं नियमित योग करती हूँ । उन्होंने अपील की कि स्वस्थ रहने के लिए योग की ओर आना ही पड़ेगा।गीता त्रिवेदी के नेतृत्व में तान्या गुप्ता, रेनू सक्सेना, गुंजन मिश्रा व रंजन मिश्रा ने सरस्वती वंदना व भजन प्रस्तुत किया।योगासनों का अभ्यास महिला योग प्रमुख ज्योति गुप्ता, अजय गुप्ता, जवाहर लाल रस्तोगी, अनामिका अवस्थी, मिथिलेश त्यागी, गीता पाण्डेय, तेजवीर गुप्ता व राजेश दीक्षित ने कराया। अन्त में प्रार्थना व शान्ति पाठ के साथ जिला प्रधान डॉ अवधेश मणि त्रिपाठी ने समापन किया ।उपप्रधान जीसी मिश्रा ने संस्थान का सन्देश सुनाया। संयोजन में ललित मोहन, प्रवीण मिश्रा, डॉ राजेन्द्र कुशवाहा, संध्या गुप्ता, अशोक रस्तोगी, वेदप्रकाश अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा। जिलामंत्री कवि डॉ इन्दु अजनबी के संचालन में हुए आयोजन में प्रमुख रूप से अवधेश कुमार दीक्षित, डॉ सत्यप्रकाश मिश्र, हिमान्शु पाराशरी, तराना जमाल, डॉ सारिका अग्रवाल, एनसी त्यागी, सरदार शर्मा, विजय बहादुर सिंह, निमिषा मिश्रा, प्रमोद पाण्डेय, राकेश मिश्रा, शालिनी मिश्रा, राजवीर सिंह यादव, मीनाक्षी खण्डेलवाल, राजकुमारी, लीना सागर, रेखा सक्सेना, विनोद कुमार सिंह, शिवांशु मणि त्रिपाठी, डॉ अनुभव सक्सेना, अमर पाल सिंह, मनमोहन त्रिपाठी, महिमा शुक्ला, रामपाल सक्सेना, सुनील अग्रवाल, प्रीति वर्मा, अनुराधा जैन, शिप्रा गुप्ता, राशि सक्सेना, वर्णिका गुप्ता, सुमन सिंह, उमा सक्सेना, ममता गुप्ता समेत काफी संख्या में उपस्थित लोगों

आवश्यकता है
लोक पहल
साप्ताहिक समाचार पत्र को
जनपद शाहजहाँपुर के समस्त क्षेत्रों, तहसीलों, ब्लाक एवं ग्राम स्तर पर संवाददाता चाहिए।
पूर्ण बायोडाटा सहित आवेदन करें।
सम्पर्क करें : 9935740205, 9455152599 / Write to us : lokpahalspn@gmail.com

प्रियंका को हाई स्कूल की फोटोज को जलाने का आज भी मलाल है

ग्लोबल स्टार बन चुकीं एट्रेस प्रियंका चोपड़ा जोनस हर दिन सुर्खियों में बनी रहती हैं। उन्होंने हिन्दी सिनेमा से लेकर हॉलीवुड तक में अपना ऐसा जादू चलाया कि दुनियाभर के लोग उनके दीवाने हो गए। हालांकि, फिल्मों के अलावा प्रियंका इन दिनों अपने बेबाक बयानों और निजी जिंदगी की वजह से भी लगातार चर्चा में हैं। अब फिर से उन्होंने फक ऐसा खुलासा किया, जिसने सबके होश उड़ा दिए।

प्रियंका ने हाल ही में बताया है कि उन्होंने अपने हाई स्कूल की बहुत सारी तस्वीरों को जला दिया था, जिसे लेकर आज भी उन्हें काफी पछतावा है। प्रियंका ने अपने हालिया इंटरव्यू में उस दौर के फैशन को लेकर बात की। एट्रेस ने बताया कि जब वह हाई स्कूल में थीं, तब उन्होंने उस व की ज्यादातर फोटोज को जला दिया था। प्रियंका ने 2000 के दशक की शुरुआत की बात की।

प्रियंका का कहना है कि ने अपने हाई स्कूल की फोटोज को जला दिया, योंकि वह उन्हें देखकर बहुत शर्मिंदा होती थीं। एट्रेस ने कहा उस वक्त आई लाइनर, हाइलाइट्स, आई शैडो, चेन ड्रेस, लो वेस्ट जींस और थोंग्स फैशन में थे। हर चीज के साथ ओवरबोर्ड जोन का चलन था। ऐसे में एट्रेस इतनी ज्यादा सोच में डूब गईं कि उन्होंने उन फोटोज को ही जला दिया।

बॉलीवुड | **गणशप**

किताब लिखते समय पड़ी फोटोज की जरुरत

प्रियंका ने आगे बताया कि उन्हें बाद में इन फोटोज की जरूरत पड़ी और तब उन्हें उस समय जलाई गई तस्वीरों पर पछतावा हुआ। एट्रेस ने कहा कि वह जब अपनी किताब लिख रही थीं तो उन्हें महसूस हुआ कि उन्हें वो फोटोज नहीं चलानी चाहिए थीं, योंकि अब वह अपनी किताब उस दौर की पुरानी तस्वीरें दिखा सकती थीं। दूसरी ओर प्रियंका के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में वह द रूसो ब्रदर्स की सीरीज सिटाडेल में नजर आईं। इस सीरीज में रिचर्ड मैडेन के साथ देखा जा रहा है। इसमें एट्रेस का एशन वाला दमदार अंदाज देखने को मिला। अब जल्द ही प्रियंका लव अगेन और जी ले जरा टाइटल से बन रही फिल्मों में भी नजर आने वाली हैं।

बॉलीवुड | **मन की बात**

फिल्में लोगों में एकता और प्यार को बढ़ावा देने वाली बनें : नवाजुद्दीन

अ सुदीप्तो सेन के निर्देशन में बनी फिल्म द केरल स्टोरी सिनेमाघरों में धुआंधार कमाई कर रही है। वहीं कुछ जगहों पर फिल्म को विवादों के चलते बैन भी झेलना पड़ा। अनुराग कश्यप ने हाल ही में फिल्म को लेकर सपोर्ट करते हुए ट्वीट किया था और अब नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बैन को लेकर अपना रिएशन दिया है। हाल ही में अनुराग कश्यप ने फिल्म पर बैन के खिलाफ ट्वीट किया था जिसमें लिखा था, आप फिल्म से सहमत हैं या नहीं, यह प्रोपेगेंडा हो, काउंटर प्रोपेगेंडा हो, आपजिनक हो या नहीं, इस पर बैन लगाना गलत है। कोई भी फिल्म या नॉवल जो किसी को हर्ट करे वो गलत है। जब नवाजुद्दीन को अनुराग कश्यप के इस ट्वीट के बारे में बताया गया तो एटर फिल्ममेकर से सहमत नजर आए। उन्होंने एक न्यूज पोर्टल से बातें करते हुए कहा- कोई भी फिल्म या नॉवल जो किसी को हर्ट करे वो गलत है। उन्होंने कहा कि हम फिल्में ऑडियंस या उनकी भावनाओं को हर्ट करने के खयाल से नहीं बनाते। उन्होंने कहा- फिल्में लोगों में सामाजिक एकता और प्यार को बढ़ावा देनेवाली हो। उन्होंने कहा कि ये हमारी जिदारी है कि हम इसे बढ़ाएं। उन्होंने कहा, अगर किसी फिल्म में लोगों के सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने की क्षमता हो तो ये बहुत गलत है। उन्होंने कहा-हमें इस दुनिया को जोड़ना है। सुदीप्तो सेन के निर्देशन में बनी फिल्म द केरल स्टोरी सिनेमाघरों में धुआंधार कमाई कर रही है। पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा इस फिल्म पर लगाए बैन के बाद पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने इसे हटाने का आदेश दिया। हालांकि, कई सिनेमाघर अभी भी इस फिल्म को दिखाने से हिचक रहे हैं। केरल में भी इस फिल्म को लेकर विरोध जैसा माहौल दिखा, योंकि इसे काफी कम जगहों पर रिलीज किया गया था। फिल्म को लेकर जो माहौल बना था उसे देखकर लोग भी कम निकल रहे थे। ट्रेलर रिलीज के साथ ही विवादों से घिरी इस फिल्म के रिलीज के साथ ही पश्चिम बंगाल में बैन लगा दिया गया था। कोर्ट के आदेश के बाद फाइनली सिंगल स्क्रीन पर फिल्म प्रदर्शित की जा रही है और इसे ऑडियंस का अच्छा रिस्पॉन्स भी मिल रहा है।

ओटीटी पर दस्तक देगी शाहिद की डी डैडी

शाहिद कपूर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म डी डैडी को लेकर लाइम लाइट में बने हुए हैं। एक बार फिर वह इस फिल्म में एशन मोड में दिखाई देंगे। डी डैडी का ट्रेलर लॉन्च हो चुका हैं। इस दौरान अभिनेता ने अपने फिल्म की ओटीटी रिलीज के बारे में खुलकर बात की है, साथ ही इस फिल्म को लेकर निर्देशक अली ने कहा भी इसकी काफी तारीफ की है। फिल्म 9 जून को जियो सिनेमा पर रिलीज हो रही है।

ट्रेलर में देखा जा सकता है कि शाहिद कपूर सूट-बूट में धांसू एंट्री करते हैं और लोगों को धोना शुरू कर देते हैं। इसके बाद रोनित रॉय और संजय कपूर की झलक भी दिखाई देती है, जो इस फिल्म में विलेन के किरदार में दिखने वाले हैं। वही, ट्रेलर में डायना पेंटी भी हैं। डी डैडी का ट्रेलर मसालेदार हैं, जो वास्तव में फिल्म देखने के लिए एसाइटमेंट बढ़ाता है। शाहिद कपूर ने बताया कि डी डैडी को ओटीटी रिलीज के लिए डिजाइन किया गया था। एटर ने कहा कि इसे कभी सिनेमाघरों में रिलीज करने के प्लान से तैयार नहीं किया गया था। यह कुछ ऐसा है, जिसकी हमने तीन साल पहले योजना बनाई थी कि इसे ओटीटी पर रिलीज करेंगे। कई लोगों ने मुझसे पूछा कि हम इसे सिनेमाघरों में रिलीज यों नहीं कर रहे हैं, लेकिन हमने इसे ओटीटी के लिए ही बनाया है। एटर ने आगे कहा किया कि कई लोगों ने उन्हें बुलाया था और उन्हें सिनेमाघरों में अपनी फिल्म रिलीज करने की सलाह दी थी। फिल्म देखने के बदलते माध्यम के बारे में बात करते हुए शाहिद ने कहा, यह शुरुआत बहुत पहले ही हो चुकी थी। घर पर फिल्म देखना एक आरामदायक अनुभव है और थिएटर जाना एक इवेंट एसपीरियंस है, जहां आप थिएटर जाते हैं और परिवार के साथ एक दिन बाहर बिताते हैं।

जज और वकील क्यों पहनते हैं काले कोट? ये शौक नहीं बल्कि मजबूरी है

सड़क पर चलते हुए अगर आपको काला कोट-पैंट और सफेद शर्ट पहने कोई व्यक्ति नजर आ जाए तो आप तुरंत ही समझ जाएंगे कि वो एक वकील है फिल्मों में या असल जिंदगी में आपने कोर्ट के जज को भी काले रंग की ही पोशाक पहने देखा होगा। पर या आप ये जानते हैं कि आखिर जज और वकील काले ही रंग का कोट यों पहनते हैं, किसी और रंग का यों नहीं? आज हम इसी सवाल का जवाब आपको देने जा रहे हैं। जज और वकील का काला कोट किसी फैशन की निशानी नहीं है। कई कारणों के चलते उनकी ड्रेस ऐसी हो गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार काला रंग अनुशासन, आत्मविश्वास और शक्ति का प्रतीक माना जाता है। साथ ही सफेद रंग शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक होता है। ऐसे में जब वकील और जज काला कोट और सफेद शर्ट पहनते हैं, तो वो भी शक्ति, अनुशासन और पवित्रता की मूरत बन जाते हैं और उनसे उीद की जाती है कि वो बिना गलत का साथ दिए, सच के साथ खड़े रहेंगे और कानून को जीत दिलवाएंगे। काले रंग का दृष्टिहीनता का प्रतीक भी मानते हैं। आपने ये भी सुना होगा कि कानून अंधा होता है, बस इसी बात को ध्यान में रखते हुए वकील और जज काला कोट पहनते हैं। दूसरा कारण ये है कि काला कोट वकीलों और जज को अन्य प्रोफेशन के लोगों से अलग दर्शाता है। ट्रेन में आप अगर चल रहे हैं और आपने काले कोट पहने किसी व्यक्ति को अगर देखा तो आपको सबसे पहले टिकट चेकर का ही ध्यान आएगा पर सड़क पर निकल जाइए तो काले कोट वाले व्यक्ति को देखकर आपको वकील ही ध्यान में आएगा। इसके अलावा साल 1961 में एडवोकेट एट नियम बना था जिसके तहत वकीलों को काला कोट पहनना अनिवार्य कर दिया गया।

अजब-गजब | **बाइक और कार नहीं रखते यहां के लोग, हर साल आते हैं लाखों पर्यटक**

इस सबसे खूबसूरत गांव में नहीं हैं सड़कें

गांव का नाम सुनते ही हमारी आंखों के सामने चारों तरफ फैली हरियाली की तस्वीरें उभरने लगती है। जिससे ऐसा लगता है कि गांव बेहद खूबसूरत होते हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही गांव के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे दुनिया का सबसे खूबसूरत गांव माना जाता है। सबसे हैरानी की बात तो ये है कि इस गांव में ना तो सड़कें है और ना ही किसी के पास कोई वाहन। ये बात यकीनन आपको हैरान कर रही होगी तो फिर इस गांव में लोग आते जाते कैसे हैं। तो चलिए आपके इस गांव के बारे में पूरी जानकारी देते हैं।

दरअसल, यूरोपीय देश नीदरलैंड में एक ऐसा गांव है जिसे दुनिया का सबसे खूबसूरत गांव माना जाता है। 'गिएथूर्न' नाम के इस गांव में हर साल लाखों पर्यटक आते हैं। इस गांव को दक्षिण का वेनिस भी कहा जाता है योंकि यहां ये बेहद खूबसूरत है। यहां साल भर पर्यटकों की भीड़ रहती है। इस गांव की खूबसूरती देखकर आपका यहां से वापस आने का मन नहीं करेगा। इस गांव की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह पूरा गांव नहरों से घिरा हुआ है। इस गांव में आपको एक भी गाड़ी या बाइक देखने को नहीं मिलेगी। योंकि इस गांव में एक भी सड़क ही नहीं है इस गांव में बाइक या गाड़ियां न होने की वजह से यहां के लोग नाव से चलते हैं। योंकि पूरे गांव में गलियों की बजाए नहरें बहती हैं। इन नहरों में इलेट्रिक मोटर से नाव चलती हैं और कम शोर होने की वजह से लोगों को शिकायत भी नहीं रहती है। नहरों के एक किनारे से दूसरे किनारे पर जाने के लिए नहर के ऊपर लकड़ी के पुल बनाये गए हैं।

बताया जाता है कि साल 1170 यहां एक भयंकर बाढ़ आई थी, जिससे यहां इतना पानी आ गया। उसके बाद साल 1230 में इस गांव की स्थापना हुई। जब लोग यहां रहने आये तो उन्हें यहां पर बहुत सारे जंगली बकरियों के सींग मिले जो संभवतः साल 1170 की बाढ़ में बहकर यहां पहुंच गई थीं। शुरुआत में इस जगह को 'गेटेनहॉर्न' नाम से जानते थे। जिसका मतलब बकरियों के सींग होता है, जो बाद में जाकर 'गिएथूर्न' हो गया। गांव में इन नहरों के बनने के पीछे की कहानी भी बड़ी दिलचस्प है, जो कि अनजाने में हुआ था। बताया जाता है कि साल 1170 की बाढ़ के बाद जब लोग यहां रहने लगे तो बाढ़ के कारण इस जगह पर बहुत मात्रा में पिट जमा हो गई। बता दें कि पिट एक तरह की दलदली मिट्टी और वनस्पतियों का मिश्रण होता है, जिसे ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। यहां आकर बसे लोग इस पिट के इस्तेमाल के लिए जगह-जगह उसकी खुदाई करने लगे। इस खुदाई के चलते कई सालों में यहां पर नहरों का निर्माण हो गया।

लोक पहल, राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक, मुमुक्षु आश्रम, शाहजहॉपुर, प्रधान संपादक अरूण पाराशरी

लोक पहल हिन्दी साप्ताहिक स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. अवनीश कुमार मिश्रा द्वारा शाहजहॉपुर प्रिन्टर्स जज साहब वाली गली, तारीन बहादुरगंज जिला शाहजहॉपुर 242001 से मुद्रित व 160 रोशनगंज लक्ष्मी राईस मिल, शाहजहॉपुर 242001 उ0प्र से प्रकाशित। संपादक–सुयश सिन्हा मो. 9935740205 E-mail : lokpahalspn@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र शाहजहॉपुर होगा।